योग-सूत्र-भाष्यम्

[श्रीगोविन्द-मगवत्पूज्यपाद-शिष्य-परमहं स-परिद्राजकाचार्य-श्री शङ्कर-मगवत्-कृत-विवरणानुसारि]

हिन्दी-विवृति-सहितः

द्वितीयः साधनपादः

व्याख्याता

श्री पूज्यपाद स्वामी सच्चिदानन्द योगी सरस्बती

सम्पादको

डॉ वेदव्रतः

सिच्चदानन्द योग मिशन

दिल्ली, हैद्राबाद

विषय-विवरणी

हितीयः साधनपादः

सूत्र-संख्या	विषय	वृष्ठ-सं स् या
१- २	क्रिया-योग	8-8
₹-¥	क्लेश: अविद्या,	8-13
3-3	क्लेश : अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनिवेश	85-88
१०-११	क्लेश-निवारण	88-86
१२-१३	कर्माष्ट्रय	१६-२३
१ ४-१६	सुख-दुःख	28-38
१७	हेय दु:ख	37-38
१८	'दृष्य' का स्वरूप	38-35
38	गुणत्रय-विभाग	३८-४३
२०-२२	द्रष्टा	38-88
२३	संयोग : (निमित्त) अदर्शन	86-48
२४	संयोग : (हेतु) अविद्या	५४-५६
२४-२=	हान : उपाय विवेकस्थाति, ६ कारण	४६-६३
78-37	योगाङ्गः यम-नियम	58-60
३३-३४	वितर्क और प्रतिपक्ष-भावना	60-08
¥X-8X	यम-नियम की सिद्धियाँ	98-50
४६-४८	आसन	50-57
8 × - 3 ×	प्राणायाम	57-58
x x - x x	प्रत्याहार	58-88
8-44	पाठ-टिप्पर्गानि	63-800